

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

प्रितिशुक्लधवताटकसम्पुष्पादिल...
काना ॥ ३ ॥ अहिनीसंठाकगुनूवाज...
दिग्धलरावडां अराव २ ऊनाममननर...
दिग्धलरयभाच अगियसंठावा ॥ १ ॥ ॐ ॥ ४ ॥
नागनाट ॥ नक्तवर्धदहाप्रिनीलायनसुदना २
असादभाहजप्रहनधकिनरध ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

वावानुधीमामकिदवी २ ऊमनयुमदिगमयधसुना
गध ॥ १ ॥ आगमवदयाननवर्ध २ आगधम
दिक्कागुनूउपद २ ॥ १ ॥ ॐ ॥ १ ॥
कुक्र २ सयाजजागिनीमासहनुडा २ ॥ १ ॥
सकगुनूचन २ धसिजगनधनियामनरि
वाखवजुनूयि ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ४ ॥

२॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

अकारपधन२स्वकविसत्त्वउग्रधन२
हं हं न ना हं हं २ न ना न न हं हं ॥ १ ॥ वडा
गधजागधन२वजय० मूडाजागधन॥ २
वलसूरिखरहधन२सजंडधुसाहि यत्रडे
मायादहलीनजंगु२साहिरकननसत्वमहं ॥
जाग० गधनमासि ॥ गिचक्रनविसधिमधुलमा

अधिमिआनदमूचनिधजा२वजवाजाहिआलीग
धामस्वजा नाधमस्मिमहाकला ॥ १ ॥ न ना हं हं
न ना हं हं २ न ना न न हं हं हं ॥ १ ॥ नीलवर्गच
कुवकायनिमूखनिमजायनमानद मूचनिधजा२
विसवजअर्धवदुजनामकटधना हा गरुनन
साहिना ॥ २ ॥ वजय० गाऊचर्मधुसूरवलीगध

गिरिवनक ॥ ७

विलमानथ ॥ गिधना २ कनिकया नयनभूषणम्
वस्त्रमिलधनाया धुतर्मकर्त्तव्यस्थिता ॥ ३ ॥ दि
गाविदिर्गकाकास्यादि रुमशकिनीदेवीसहजान
दमूनगिधना २ नमामि २ श्रीचक्रम् ॥ मन्त्राभर
गुनवनधआनाधिगा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ वाग ४
गंधाहेनवी ॥ गिरिवनकालिनमूनगिअ ॥ ५ ॥

गिरिवनक ॥ ७

यथयवगि ॥ ६ ॥ नाचनवनसुतयनभागावी
नवगि ॥ १ ॥ नमिसहस्रकिनधदगहसह
सवगि ॥ २ ॥ वरुविहन्त्यनविसहशीअन
नायनसत्ववगि ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ वाग ४
गिन ॥ हागतनधकिशायिनसमलधती
यिकंवाकूनिलरुग २ रुद्रवा नननमगि

यामध्या २४ मकूटकेसदिगम्बला ॥ ॐ ॥ अथ न
 मानसम्बललाया समनर्णुड निमानकोल्य २ ह म
 विजाहिनी वज्रवा नाहि रुदमहिमानुधमला ॥ १
 सार्तीलाय २४ उलसहमयन कर्ण नरुवयि
 कंताला २ गगनीलावर्धे वदिनकगमनमधु
 लरुवजीना ॥ २ ॥ गिर्यधउषदहंकादिगम्बलसं

२
 जि
 ह
 दा
 ॥ १०

म्वनययिसयिधुधरुगदाजा २ ह मंविनाहनी वज
 वा नाहिधी रुद्रविनूदे त्वमिअंधाना ॥ ३ ॥ गम
 उं गिंलीलावज कलीयाउलठगरु नूवनधआ
 नाध २ समयाआनध रुलिंगन मंशुलसंम्व
 लवजवा नाहि ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग कर्णदि ॥ गि
 हं गाययीआगिनीद हं वादि २ क मलुकुलिस

घ०८ कनहं न विहाना ॥ कु ॥ ऊ मा नी तु अ वा न
 खतहं न जिवयी २ मा लाम हवं विर्या न कमल संयी
 वरिय ॥ १ ॥ ऊ पनहं ऊ गी निलय न ऊ यि २ म
 धी कूल वहि यान अं दिया ह समा • नै २ सा हा ठ
 ह य न धा ज कं त्रि यान २ च दु स र्य श य यं क ध रु ना
 अ ॥ ३ ॥ रु न यि र ग भ दालि ह म न कं इ न वि ना २

न न य धा दि मा ष्ठ उ ह य उ वि ना ॥ ४ ॥ उ वि ना
 ना ग वि हा स ॥ उ दि ना क ले यि या य व ध धू ना २ उ न स
 ह म य कं का ग लं रु ना ॥ कु ॥ धा न इ ह न रु वा
 वि सं क लि ना २ अ ख य ती ल ऊ न भा • क लं रु ना
 ॥ १ ॥ दि न क न म दि न रु म ध ग ना २ क न रु धा म न
 न स व सै रु ना ॥ २ ॥ द ग ध आ लिं शा य पु नि

उ दि ना ॥ ११

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२

नीहमाशदेवाः स न धमिजनमृगा ॥ ३ ॥ गमो मि
पवधपमिगुनरगमाशवजवानाहिरुहसिलगगन
मिना ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागकाभाद ॥ पुकलिन
हं काललाहवमूनि ॐ दनीलः खसमथ
मिदहाशविष्ठाजस्थिकवाधिकनर्धनत्रमकूटको
राधिर्य ॥ ५ ॥ नमामिथीयचंद्रवीनहवसि

धनननर्धशविष्ठाताथिहवतनव्यापिके वनवा
सनकनर्ध ॥ १ ॥ अतननजानस्थिप्रुतिहवतनी
नंसर्वरुष्रुतमदगधानंशवामनर्जनी हृदिपाठ
धनंरुवाचीशासनवंधधकनध ॥ २ ॥ नानान
वाहाननोपजाकर्म्ममखलरुधिरुदेहादुहृक
ननरिखमवदधंतिशुवननलायापचंद्रवीन ॥ ३

वक्रको गीता ॥ १२

विनाधिपति सर्वरुयहनर्ध प्रगपि चोष्मदिसाननम
॥ २ ॥ सजननजकादिवदि नघादं सर्वसिद्धिभाऊरु
सुदं ॥ ४ ॥ ॐ ॥ जाग-मानधी ॥ वक्र ॥ जागानीधी
हनडा लाया २ ग्रिहवनधधदहिम्य ॥ पारध ॥ ध्रु
यितयिनमहानसमहास ॥ कजिया २ वजदं वि
रुतयिया ॥ अनर्कनत्पारध ॥ १ ॥ उर्धना नी शिदल

अवनिनीहिता ॥ १३

कमलसंजागध २ दहि वीचासयि पतधसंरुदयि
॥ २ ॥ ॐ ॥ यिजभयकमहामखकनीया २ यथ
सिलठा विर्जवा २ ॥ ३ ॥ सकगुनूतनरधयुगध
वधुर्थरिषकं २ पारधस्वनिर्मभनस ॥ सुडा ॥ ४
जाग-काभाड ॥ अवनीतिहि नकानूधीलसमदहा २
कंकलुनय रिखमवदना ॥ ध्रु ॥ कनाहं

मन्ता हूँ हूँ हूँ हूँ जान अचल कोर्ट लाया ॥ १ ॥ नीति दि
 क घन इति स्वति न मंग्य २ या ठाँ उधमी त्रिहृत् ३
 ॥ २ ॥ हनि हल वृष्ठा वृद्ध उच्च उमाला २ माल विधु र
 मिश्र कृत्य हन्यर्थ ॥ ३ ॥ विविधि • बल भीनी ल
 रुम द ॥ २ ॥ रुग नाव वा ॥ रुम वल रुल दायक ॥ ४
 वाग गव उमीनी ॥ चक्रि कृत् ॥ के थि ॥ चक्र मयल

रुषिर्गणिवन्दनसिनमाला२सिर्जन्तुकीचकि
शिरारुम्बिकुरुषिर्गगधकैरादिवधूनीलाया॥ कु
यहमणीदनूअममानूकोलायाःरुगा ताथणीनीस
म्वललाया॥ १ ॥ वङ्ककञीनकहाथ धनीयाकं
१थ्यकुर्याउखत्वीग्ध२सीपूजजागीतीक मल्लविभीम
लमहाभूरवमनिनप्रभादे॥ २ ॥ वङ्कवानाहिज

श्रीहवर्जनेमा॥१३॥

लिंगधसम्बल-ताचयितवहविवीहलरंगाश्वाकृती
कोलिलयियाकिञ्चिहज्जुअर्द्धरुवधरुतरध
प्रभादे॥ ३ ॥ सहजसंदधिलयिया मउंनिक
ध्याल-श्रीहज्जुअचनधप्रसादश्य हाअलिंग
धविदनि-श्रीहज्जुअविजागयिसत्यकनूध॥ ४
बाग-कर्धदि॥ श्रीहवर्जनेमादेवी-प्रितवधनाथ

१२

१३ श्रीजात॥१३॥

वैचजि-वायिकर्णथर्वर्धदेहा॥ ध्रु ॥ नमामि
श्रीरगभय-काग्रसेध-हनुकथीगुसन्धनी४वज्जुगि
नीधूत्यगा॥ १ ॥ पूर्वदिगीस्थिरुहने वदधम२दहि
धप्राकधनी-वामविंदधना॥ २ ॥ य-समनीवी
जागीनीदेवा-२गमउंनिलीलावजहं कानसंवजा॥
बाग-देधगु॥ मायांजातनिम्बसदधममनीना२म

हमातदयेकदिनमायामाह॥ ७८ ॥ नसेवा ॥ ७९ ॥
 साजा२जागदखमाह॥ क्कादिनधीलआसा॥ १ ॥ ॥ ७९ ॥
 नीमिषनयदृधनीया२जन्मजन्मली चिकइस्ने १३
 यद्वध॥ २ ॥ सहजसहायनयउ नागनधनी
 या२चवधपनमधवासनलूवे॥ ३ ॥ अडाधूडा
 इयनधयायापुसादि२गभडां किइखयायहवचकुगादि

बाग॥ व॥ ॥ ॥ निर्मलगय२धगुल्लमहिनअरुण२जी
 महणीलायेधममलगराव॥ ७८ ॥ लावयिअधी
 जागंम्वनविजा२यागीनीजालकूनरधनाचयि॥ १
 जाकिनीमधुलचकहूनयिया२मधु लकारधय
 ऊकल्यिया॥ २ ॥ वजिधानीवनालीचडाता२सिं
 धिनीव नीजम्बूकउनकिनी॥ ३ ॥ जाकिनी

निर्मलगय२ध॥ १११

मन्त्रविनाशकनूधर्माग्रजसविनीविजस्य
 ॥ ये ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥ वाग्वैजवी
 अष्टकप्रपादविदिगं हवनं विनिमयव
 हवनसद्वर्गगर्भस्थवनगगक्ष • नूनं अर्धका
 वाग्वैजवी ॥ ५ ॥ क्रिया ॥ ५ ॥ हूं हूं न
 मां मि पंच अकि नो घं श्रु ग नित्ता म ग कि नो स

[illegible][illegible]

अत्रैतदर्थं ॥ २० ॥

धनादविजकिनीर्जुपायसन्नधर्पं अमृडाहजध
विरुषिनाश्रवगश्वनकवजर्घ्यं ७८ खत्वांगयागुप
नमस्वतन्नातदेवि ॥ ४ ॥ ७० ॥ चागलती १६
अत्रैतदर्थं अतश्चामंशक्रमालाशसंघव अकिशर्मका
सदेहा ॥ ७१ ॥ देवर्षीमंशुधाखनह्वनव्यापि
नैशुष्कखगधनदहिवकुंनधना ॥ १ ॥ यामयूरु

विषय ॥ २१ ॥

कधनासचगुनजायाशयमयकासन्नदह ॥ २ ॥
दहितवामकनधनसन्नधनाश्वगुनमात्रदर्थं
पुनहा ॥ ३ ॥ ऊगनरहायालयुम् दिगहृद
याश्रुहिमकुभूखरुत्तयभादा ॥ ४ ॥ चागल
लीक ॥ विषयवित्त्वयतीनयवधर्मकागयात
यिवधालोनाहिकमत्तेशदहियिजिधविम्वस

श्रीमन्नरिसूननवज्जिनप्रिनीअहासमयस्थामस
 वधं॥ १॥ नममंशुधारं.कालचक्रं.हवजसम्बल
 विन्धनूर्यं२पयिषइर्मसंजारागसंरु वनीचज्ञास ११
 हजआनदसमयस्थानचूर्य॥ १ ॥ वजयर्थ
 कसनकृकंमज्जनीकनामसंगीतिअऊाखधमन२
 ऊगनइखधमसन.वाधिदलदायक.ऊगधर्ममा

नूरावहृदयं॥ २॥ गुनवाळददधनीया.अर्ध
 रुवधकंविशामधिमकृनवद्यालीउगादिधनी
 या२उउवकापाग्रमजधपजम्यध्व कमर्यरुव
 धमज्जवाजाहरुवधं॥ ३॥ सयु माजादध
 संहावपजिहावतावृद्धधर्मसंघजधगनिया२
 गुनचननसिलंगनधनीया.गमआंजिसूननवज्ज

सर्वोक्तानां ॥ २२

ऊनऊनसुखवृद्धसुखार्थं ॥ ४ ॥ जागधनाथी
सर्वीका नाम महासुख ऊनाया च उ आनडुदहा २
गिरुवधरुतयिमहागुखलाया च उ सुख्य १६
इयिमत्रिया ॥ ५ ॥ नयायत्रि यदधननी
न गिरुवधरुतयि २ सर्व वि कल्य विष
सुतादिविअनरुचवचनदायधी ॥ १ ॥ अमि

गोरुमधुन उदयाच धिनि कल्याननमि नूयध
नीशकनक्रियागुखली गधनी युल्लहानवचनदा
यनी ॥ २ ॥ दिगं वनमकूटक शी चक्रि
कंठुलक धि धनी शलचक भय सपायव
धनी गीवचनडनलमिलमाता ॥ ३ ॥ सर्व
थागनऊनीद वि विनाहि कल्यव अलव २

युक्तेवभाषा ॥ २३

श्रीवज्रजागीनीचनधर्तितगभागभांमिरुम
नगवजा ॥ ४ ॥ यागः नवी ॥ यद्वत्तुभायनीह
समानूधकनकवर्धे अयुक्तसुतः क्षत्रीशु
रेजः माहस्वयीवृखवाहनचयध वलप्रिधु
नहर्मे ॥ ५ ॥ हं हं असुक्तमभा ॥ नीलवर्धे
सहिर्मे अस्तु नवगनय निहाहि काश अस्तु

नीहिसिद्धि अस्तु नमा ऊयदा नास्म मणिषाय
रयहनर्मे ॥ १ ॥ यथिमण्डूद्रायनी हसिवाह
धर्कैकूमवर्धे वज्रहर्मे २ दक्षिण वानाहिध
नधाजनय्य अकृतासहिनामहि स्वआगन ॥
२ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ चण्डिकादेवि धूमवद ॥ एकजनि
देवैवनालदमजसहिना २ नैमन विष्णुवीद

विगनूडवाहनसैखचक्रवाहिनी वायव्यनामदा
 दवि. कंकातीवदनसि हंवाहाहनखेजहर्म ॥ ३
 अग्नीदिगकार ॥ कमातीदेवी मय ॥ उवाह ॥
 नक्रनाक्रमदिबर्ध ॥ की धा नी ॥ ४ ॥ अष्ट
 कूरशलसमद्या देना ॥ अग्रपा ॥ नडा ॥ इगर्भदेवी २
 पुनमा मिदेवी ॥ आना धिया नेरु ॥ पु किमृगु

२०

२ मधुनाय ॥ १४

गिऊल्यसिद्धिदलदी ॥ ५ ॥ जाग-वसं नमधूमन ॥
 मधुनीयु शिंयत्त इयीथी कजाता ॥ सकलदेवगंधा
 वदि नयादं ॥ धु ॥ मे शिआ दिव्य ॥ श्रीमरु क
 माता ॥ २ ॥ अशिव दिव्ययन्न नृणां धजा ॥ ५ ॥ कं क
 मन्नचिनाणु हवि विष्वा ॥ २ ॥ सन्धा किगहिना कन
 धाविहाना ॥ २ ॥ वीषय विरुपम कनया जंग

लतीजात्यन् ॥ २ ॥ व्याघ्रवर्जितं पुष्पादी धारवर्तनं
 वादनसर्पकोला ॥ ३ ॥ चन्द्रधरवन्दनोद्योगात्रयी
 मागोश्चरतयी अन्नाद्यवर्जवनीमगी ॥ ४ ॥
 १ अथासुसंस्तु १०१२ मिडिद्वय ३ स सिधया
 नादिनरुतुल्य ॥ ५ ॥ लोचिर्नरुतुल्य
 हातया जीवर्जिता ॥ ६ ॥ हातया हातया ॥

२२

नासुसुगागुधानि ॥ १ ॥ गङ्गावर्जिता ॥ २ ॥
 सुलनायुक्तनमः ॥ ३ ॥ हातया हातया ॥
 नविदुषिदमद्वयलद्य ॥ ४ ॥ उल्लासा ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥ निनयना १ कचतिवत्यवर्जिता ॥

ससिलमात्राश्च किरितवा प्रमकुगकभे ॥ २ ॥
सिलससिंवनककुलनाश्चकमु निकषस
गाम्वलसूयभला ॥ ३ ॥ हनयिरुन
कवकुवाहलिदासाश्चोवकुदवीधुभद

श्रीहनुमायाम् ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

